'हाइवे पर धरना दे रहे आंदोलनकारियों पर पुलिस ने देर रात हमला किया'

मांग को लेकर एनएच-52 जाम करने वाले आंदोलनकारियों ने लगाया पुलिस पर आरोप

बून्दी, (निसं)। सोमवार बसोली मोड़ पर रॉयल्टी नाके को हटाने व हिण्डोली थानाधिकारी को निलंबित किये जाने की मांग को लेकर पूर्व विधायक प्रहलाद गुंजल की अगुवाई में शुरू हुआ धरना मंगलवार रात 3 बजे पुलिस के लाठीचार्ज के बाद खत्म हो गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बसोली मोड पर आंदोलनकारियों द्वारा लगाये जाम को पुलिस ने मंगलवार को रात 3 बजे बल प्रयोग करके हटवा दिया। दरअसल सोमवार रात जिला कलेक्टर रेणु जयपाल, एसपी यादव बसोली चैराहे पर पहुंचे जहां आंदोलनकारियो के प्रतिनिधिमंडल जिसमें रुपेश शर्मा, मनमोहन धाबाई, सीपी गुंजल, अजय गुर्जर की कलेक्टर से आंदोलन समाप्त करने को लेकर बातचीत हुई लेकिल प्रशासन के मांगे नहीं माने जाने के चलते वार्ता विफल हो गई। जिला कलक्टर रेणु जयपाल ने आंदोलनकारियों से कहा कि मामला राज्य सरकार के स्तर का है सरकार के आदेश के बिना नहीं हटाया जा सकता।

इसके बाद पूर्व विधायक प्रहलाद गुंजल और भाजपा नेता रुपेश शर्मा के नेतृत्व में एनएच 52 सड़क जाम कर प्रदर्शनकारी सड़क पर ही डटे हुए थे और रात को सो रहे थे तभी पुलिस ने अचानक 3 बजे के करीब लोगों पर सोते हुए लाठीचार्ज कर दिया। जिससे वहां पर भगड़ मच गई और लोग सड़क छोड़ भागे। इसके बाद पूर्व विधायक प्रहलाद गुंजल और रुपेश शर्मा सहित कई प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। जिसके बाद पुलिस से सुबह 5 बजे पूर्व विधायक प्रहलाद गुंजल व भाजपा नेता रूपेश शर्मा को कोटा स्थित गुंजल के आवास पर छोड़ दिया। पुलिस द्वारा किये गये लाठीचार्ज में कई लोगों को गंभीर चोट आई हैं, तो कई लोगों को हल्की चोटें लगी हैं। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि सोते हुए लोगों पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया है। वहीं पुलिस लाठी चार्ज करने से मना कर रही है। आंदोलनकारियों को पुलिस द्वारा खदेड़ने के बाद नेशनल हाईवे को खोल दिया गया है और अब एक बार फिर से वाहन सरपट दौड़ रहे हैं। प्रदर्शनकारी जब पुलिस के चंगुल से बाहर आएंगे तो उस समय क्या हुआ था इसका पता चल पायेगा। फिलहाल नेशनल हाईवे नंबर 52 जयपुर कोटा हाईवे खुलने के बाद यात्रियों और वाहन चालकों ने राहत की सांस ली है।

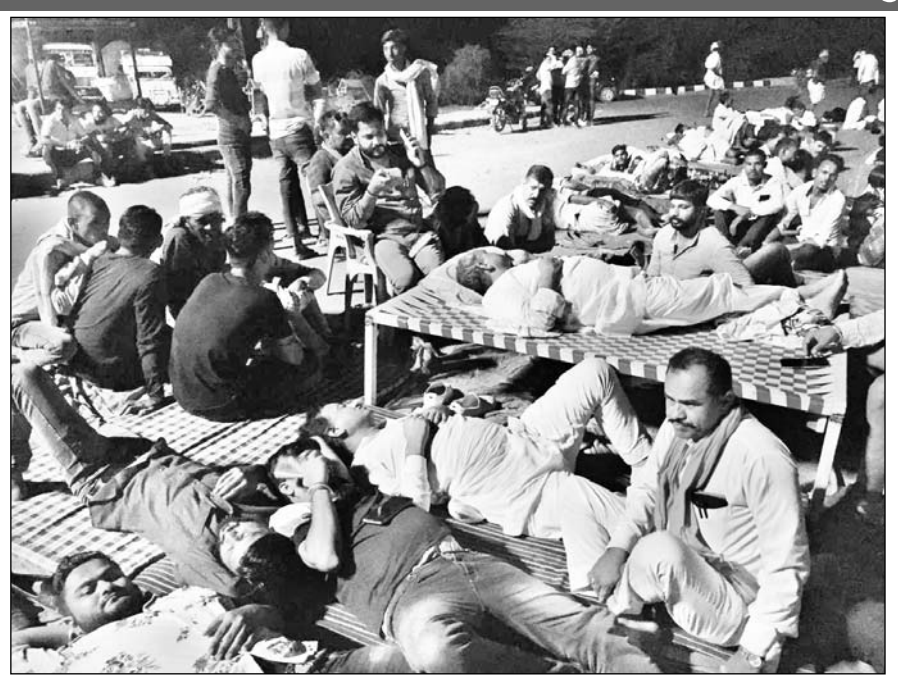

खदेड़े जाने से पहले आंदोलनकारियों ने चारपाई बिछाकर हाइवे को जाम कर रखा था।

- गुंजल को सुबह पांच बजे कोटा छोड़ा
- बसोली मोड़ पर रॉयल्टी नाका हटाने व हिण्डोली थानाधिकारी को निलंबित करने की कर रहे थे मांग

37 आंदोलनकारियो पर मुकदमा दर्ज:- हिंडोली थाना पुलिस ने नेशनल हाईवे 52 को जाम करने के आरोप में 37 आंदोलनकारियो के खिलाफ गंभीर गैर जमानती धाराओं में किया मुकदमा दर्ज किया है। वहीं रुपेश शर्मा ओम धगाल, पूर्व चेयरमैन भगवान लाडला, सथूर के पूर्व सरंपच मनमोहन धाबाई समेत अन्य लोगों के खिलाफ राष्ट्रीय राजमार्ग अधिनियम धारा 8 ख में मुकदमा दर्ज किया गया है।

प्रहलाद गुंजल पूर्व विधायक ने बताया कि पुलिस से सोते हुए लोगों पर हमला बोला। लोगों ने खेतों व जंगलों में भागकर जान बचाई। मुझे जब गिरफ्तार करने आये जब मेरे इर्द-गिई सो रहे लोगों पर लाठियां बरसाई गई। सरकार माफियाओं के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करना चाहती बल्कि जो माफियाओं के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं उनका दमन करना चाहती है। लड़ाई खत्म नहीं हुई है। दो तीन दिन में हिण्डोली में प्रमुख लोगों की बैठक लेंगे और बड़े आंदोलन रूपरेखा बनायेंगे। बजरी माफिया की होटल में सरकार ने 42 की खातिरी करवाकर अपनी कुर्सी को बचाया था। सरकार बजरी माफिया के हितों की सुरक्षा कर रही है।

शिक्षा विभाग बना रहा ट्रांसफर पॉलिसी की गाइडलाइन

एक बार फिर जयपुर में लगेंगे केंप, ग्रेड थर्ड के तबादलों पर संकट

बीकानेर, (कासं)। टीचर्स ट्रांसफर के लिए हर बार की तरह इस बार भी जयपुर में कैंप लगेंगे। ट्रांसफर पॉलिसी नहीं बनने के कारण जनरल गाइडलाइन तय की जा रही है, जिसके आधार पर हजारों की संख्या में टीचर्स को इधर से उधर करने की कवायद होगी। ट्रांसफर का सबसे बड़ा आधार क्षेत्र के कांग्रेस या फिर सरकार समर्थक विधायक की डिजायर होगी। सब कुछ सही रहा तो बीस जून से पहले जयपुर में ये कैंप शुरू हो जाएगा।

बार बार घोषणा के बाद भी शिक्षा विभाग ट्रांसफर पॉलिसी तैयार नहीं हो पाई है, ऐसे में मार्गदर्शन जारी किए जाएंगे। ट्रांसफर का आधार इन्हीं निर्देशों को बनाया जाएगा, हालांकि कोई तय नीति नहीं होने के कारण सरकार के निर्देश पर इनसे हटकर भी ट्रांसफर हो सकते हैं। ग्रेड थर्ड टीचर्स के ट्रांसफर को लेकर अब तक संशय बना हुआ है। दरअसल, ग्रेड थर्ड के ट्रांसफर शुरू करते ही प्रदेशभर के विधायकों की नाराजगी सरकार को मोल लेनी पड़ सकती है। वहीं हर बार की तरह इस बार भी लेक्चरर, प्रिंसिपल के ट्रांसफर पहली खेप में होंगे। किसी भी स्थिति में 25 जून से पहले कोई बड़ी लिस्ट जारी नहीं होगी। वहीं बड़ी सिफारिश वाले टीचर्स की इक्का दुक्का लिस्ट आ सकती है।

- लंबे समय से शहर में जमे टीचर्स को गांव की नौकरी करनी पड़ सकती है
- ट्रांसफर का सबसे बड़ा आधार क्षेत्र के कांग्रेस या फिर सरकार समर्थक विधायक की इच्छा होगी

कैंसर सहित अन्य गंभीर बीमारियों से पीड़ित को शहरी क्षेत्र में ट्रांसफर दिया जाएगा। एक महिला या विधवा-परित्यक्ता को शहर में ट्रांसफर दिया जा सकता है। एक समय सीमा तय की जाएगी, उतने वर्ष की ग्रामीण सेवा होने पर ट्रांसफर किया जा सकता है। प्रतिबंधित जिलों से बाहर ट्रांसफर के लिए अलग से नियम हो सकते हैं। किसी भी महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम स्कूल में बिना इंटरव्यू ट्रांसफर नहीं होंगे। सिर्फ रिक्त पदों पर ही ट्रांसफर हो सकते हैं। अन्यथा वाइस वरसा करते हुए एक-दूसरे की जगह भेजा जा सकता है। लंबे समय से शहर में जमे टीचर्स को गांव की नौकरी करनी पड़ सकती है।

ट्रांसफर के लिए इस बार भी जयपुर में राजस्थान राज्य पाठ्य पुस्तक मंडल परिसर में ट्रांसफर कैंप लग सकते हैं। हालांकि ये जगह अब सभी टीचर्स की नजर में होने के कारण ट्रांसफर कैंप की जगह बदलने की कवायद भी उच्च स्तर पर चल रही है। बीस जून से पहले शिक्षा निदेशालय के सेक्शन से कार्मिकों को जयपुर के लिए रवाना किया जा सकता है। फिलहाल इस संबंध में कोई निर्देश कार्मिकों को नहीं दिए गए हैं।

विभाग का प्रयास है कि एक जुलाई से शुरू हो रहे स्कूल्स के नए सेशन से पहले ट्रांसफर ऑर्डर जारी हो जाएं ताकि स्कूल खुलने तक संबंधित टीचर्स नई जगह पहुंच जाएं। हालांकि ये भी तय है कि जुलाई में भी ट्रांसफर होते रहेंगे। ऐसे में सरकारी स्कूलों में पहला महीना तबादलों की भेंट चढ़ ना तय है। शिक्षा मंत्री रहते हुए जिस तरह गोविन्द डोटासरा की पर्सनल टीम ने ट्रांसफर पर पूरी नजर रखी थी, उसी तरह डॉ. बी.डी. कल्ला की पर्सनल टीम भी ट्रांसफर प्रोसेस में शामिल रहेगी। ये टीम अभी ट्रांसफर के मार्गदर्शन तैयार करने में जुटी हुई है।

बारिश के मौसम में विद्युत तंत्र गड़बड़ाया: डिस्कॉम में इंजीनियरों की छुट्टियां रद्द

जोधपुर, (कासं)। प्रदेश में मानूसन का सीजन आरंभ हो गया है। मगर इस बीच विद्युत तंत्र भी गड़बड़ा गया है। बिजली व्यवस्था गड़बड़ाने पर अब समय पर ठीक होने के आसार कम ही नजर आ रहे हैं।

प्रदेश के सभी डिस्कॉम के जूनियर इंजीनियरों ने अपनी मांगों को लेकर टूल डाउन हड़ताल कर रखी है। अवकाश लेकर अधिकांश जूनियर इंजीनियर जयपुर में महापड़ाव डाल बैठे हैं। फील्ड में बिजली समस्याओं के समाधान का सारा दारोमदार जूनियर इंजीनियरों के कंधों पर ही रहता है। जोधपुर डिस्कॉम ने इनके अवकाश पर चले जाने के बाद अन्य सभी कर्मचारियों के अवकाश रद्द कर दिए है। सभी को मुख्यालय पर रहने का आदेश दिया गया है।

जोधपुर सिटी सर्किल में कल 76 में से चार जूनियर इंजीनियर ही काम पर थे। शेष सभी अवकाश पर रहे। वहीं जोधपुर डिस्कम के एमडी प्रमोद टाक का दावा है कि 780 में से 206 जूनियर इंजीनियर अभी भी काम कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि आंदोलन कर रहे जूनियर इंजीनियरों की सरकार से वार्ता भी हुई है। इनकी पे स्केल से जुड़ा मसला वित्त विभाग से जुड़ा है। ऐसे में इस बारे में सरकार के स्तर पर फैसला हो सकता है।

- मांग को लेकर जूनियर इंजीनियर बैठे हैं हड़ताल पर

इस बीच बारिश में बढ़ गए फाल्ट:- जोधपुर डिस्कॉम के कार्य क्षेत्र वाले दस जिलों में सोमवार को अधिकांश स्थान पर प्री मानसून के बादल जमकर बरसे। ऐसे में उपभोक्ताओं की शिकायतों की बाढ़ आ गई। जूनियर इंजीनियरों के काम पर नहीं रहने के कारण शिकायतों का समाधान होने में काफी समय लग रहा है।

इंजीनियरों के अवकाश किए रद्द:- जोधपुर डिस्कॉम ने एक आदेश जारी कर अन्य सभी इंजीनियर्स से कहा है कि वे सभी अपने-अपने मुख्यालय पर मौजूद रहें। वहीं वे किसी तकनीकी कर्मचारी का अवकाश स्वीकृत नहीं करें। बिजली से जुड़ी किसी प्रकार की शिकायत आने पर प्राथमिकता के साथ उसका समाधान करवाएं।

सैनिक भर्ती की नई नीति युवाओं के लिए पीड़ा: जसोल

गुड़ामालानी, (कासं) । गुड़ामालानी मुख्यालय के डाक बंगले पर बाड़मेर जैसलमेर के पूर्व सांसद एवं वर्तमान सैनिक कल्याण बोर्ड अध्यक्ष मानवेंद्र सिंह जसोल का बोर्ड अध्यक्ष बनने के बाद मंगलवार को पहली बार गुड़ामालानी विधानसभा पहुंचने पर जगह जगह कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा गर्मजोशी के साथ स्वागत किया।

डाक बंगले पर स्वागत समारोह कार्यक्रम में पूर्व मंत्री गफूर अहमद, धोरीमना पूर्व प्रधान ताजाराम चौधरी, पायला प्रधान चुन्नीलाल माचरा, भंवर हनुमंत सिंह राठौड, ब्लॉक अध्यक्ष पताराम चौधरी उपस्थित रहे। धोरीमन्ना एवं बांटा में भी स्वागत किया गया। मानवेंद्र सिंह जसोल ने कहा कि केंद्र सरकार ने जो अब सैनिक भर्ती की घोषणा की है वह देश एवं युवाओं के लिए दुखद परिणाम साबित होगी, क्योंकि सैनिक की नौकरी चार साल के लिए ही है। उसमें भी 46 सप्ताह की ट्रेनिंग दी जाएगी। ऐसे में युवाओं के लिए यह भर्ती दुखद होगी। हमेशा क्षेत्र की जनता के लिए तत्पर रहे। मंच संचालन पंचायत समिति सदस्य संवदाराम बोस ने किया। कार्यक्रम में पूर्व सरपंच दिनेश पी शर्मा, नाथाराम चौधरी बांटा, खुमाराम बैरड, सरपंच जवानाराम, नारायण सिंह, तेजसिंह, कांतिलाल सोनी, भोमाराम सहित कई जने उपस्थित रहे।

पूर्व विधायक बीएल कुशवाह प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार

भरतपुर, (निसं)। धौलपुर से पूर्व विधायक रहे बीएल कुशवाह को भरतपुर में मथुरा गेट थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। रियल एस्टेट कंपनी द्वारा किए गए गबन के मामले में अनेकों शिकायत दर्ज हुई थी। इसी तरह की एक शिकायत मथुरा गेट थाना पर भी दर्ज हुई थी जिसके चलते पूर्व विधायक बीएल कुशवाह को गिरफ्तार किया गया है। बीएल कुशवाह धौलपुर से भाजपा विधायक शोभारानी कुशवाह के पति हैं।

बी एल कुशवाह धौलपुर से बसपा विधायक रह चुके हैं लेकिन उनकी रियल एस्टेट कंपनी ने बहुत बड़ा गबन किया था जिसमें करोड़ों रुपए का घोटाला हुआ था। हजारों लोगों के रुपए हड़प लिए गए थे। शिकायत दर्ज होने के बाद बीएल कुशवाह को गिरफ्तार कर लिया गया था तभी से वह जेल में बंद है। बी एल कुशवाह के जेल जाने के बाद धौलपुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव हुआ था जिसमें बीएल कुशवाह की पत्नी शोभारानी कुशवाह को भाजपा का टिकट मिला था और वह चुनाव जीत गई थी।

मथुरा गेट थाना प्रभारी रामनाथ गुर्जर के मुताबिक धौलपुर से पूर्व विधायक बीएल कुशवाह के खिलाफ 2017 में शिकायत दर्ज हुई थी। उन्होंने एक रियल एस्टेट कंपनी खोल रखी थी जिसमें बड़ा गबन हुआ था। पुलिस ने बीएल कुशवाह को सेंट्रल जेल सेवर से प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया है और जांच जारी है।

पूर्व विधायक बीएल कुशवाह

- रियल एस्टेट कम्पनी में घोटाले के आरोप में जेल में बंद थे कुशवाह

गैंगरेप का आरोपी 15 साल बाद पुलिस के हत्थे चढ़ा

मांडलगढ़, (निसं)। बिजौलिया कस्बे के वार्ड नंबर 5 के खटीक मोहल्ले में अपनी असली पहचान छुपा कर बीते 15 वर्षों से यहां रह रहे गैंग रेप के आरोपी को बिजौलिया पुलिस ने गिरफ्तार किया हैं। इस दौरान शातिर आरोपी बिजौलिया खनन क्षेत्र में मजदूरी और ट्रेक्टर चलाकर अपनी असली पहचान छुपाए पुलिस से लुकाछिपी कर रहा था। मोडक निवासी 40 वर्षीय मोस्ट वांटेड आरोपी रामकुमार पिता रामनारायण वैष्णव को पुलिस ने मंगलवार को गिरफ्तार कर कोटा स्पेशल पुलिस टीम के सुपुर्द किया।

बिजौलिया थाने के एएसआई ओमप्रकाश मीणा ने बताया कि वर्ष 2008 में कोटा जिले के एक क्षेत्र में हुई गैंग रेप की घटना के बाद से आरोपी पहचान छुपाकर बिजोलिया कस्बे के किराए के मकान में रह रहा था। आरोपी ने अपना नाम पप्पू खानपुर-झालावाड़ निवासी बता रखा था। खनन क्षेत्र में ट्रैक्टर चलाकर छदम वेश में रह रहा था। 2008 में मोडक क्षेत्र में हुई गैंग रेप की वारदात में 3 आरोपी शामिल थे। 2 आरोपी पहले ही गिरफ्तार हो चुके हैं। मुखबीर की सूचना पर कोटा की स्पेशल पुलिस टीम के साथ बिजौलिया थाना पुलिस ने मिलकर आरोपी को बिजौलिया कस्बे के खटीक मोहल्ले से गिरफ्तार कर कोटा पुलिस के सुपुर्द किया हैं। आरोपी पर मोडक झालावाड़ पुलिस थाने में धारा 376 और एससीएसटी में वर्ष 2008 में मामला दर्ज दर्ज हुआ था। तब से पुलिस आरोपी की 15 साल से तलाश की जा रही थी।

सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट की डिग्गी में डूबा सफाईकर्मी

हनुमानगढ़, (निसं.)। टाउन में घग्घर पुल के समीप सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) की डिग्गी में मोटर ठीक करते समय सीवरेज गैस से बेहोश ठेका कर्मी को बचाने के लिए डिग्गी में उतरे नगर परिषद के एक सफाईकर्मी की डूबने से मौत हो गई। इसमें एक को डिग्गी में ही गिरने पर शोर सुनकर वहां पहुंचे लोगों ने बाहर निकाल बचा लिया जिसे उपचार के लिए आईसीयू में भर्ती करवाया गया। खास बात है कि सीवरेज डिग्गी में गंदे पानी से गैस इतनी जहरीली थी कि हादसे की सूचना पाकर मौके पहुंची नगरपरिषद की सीएसआई प्रेमलता और एसआई जगदीश सिराव भी बेहोश हो गए जिनको उपचार के लिए भर्ती करवाया गया। हालांकि प्राथमिक इलाज के बाद दोनों को छुट्टी दे दी गई।

सुखदेव सिंह पुत्र गुरदयाल सिंह वीरबंद ने पुलिस को बताया कि उसका बेटा करण सिंह (24) नगर परिषद में सफाई कर्मचारी के पद पर कार्यरत था, जिसकी एसटीपी पर ड्यूटी थी। सुबह करीब 8.30 बजे ओएंडएम प्रभारी ठेकेदार सतपाल भांभू ने उसे फोन कर बताया कि एसटीपी की डिग्गी में लगी मोटर खराब हो गई, जिसे ठेका कर्मी हरीश शर्मा निवासी सूरतगढ़ ठीक करने के लिए एसटीपी में गंदे पानी की डिग्गी में उतरा था। इस बीच गंदे पानी की गैस से दम घुटने से हरीश चक्कर खाकर वहीं गिर गया जबकि बाहर खड़े सतपाल ने शोर मचा दिया। सहायता के लिए उसका बेटा करण सिंह सीढ़ी से गंदे पानी की डिग्गी में उतरा तो वह भी बेहोश होकर वहीं गिर गया। श्रमिकों ने हरीश को बाहर निकाल लिया तभी मोटर चालू होने से डिग्गी में पानी भरने लगा और प्रवाह तेज होने से करण सिंह की डूबने से मौत हो गई।

एसटीपी पर सुरक्षा उपकरणों का पूरी तरह से अभाव नजर आया। हालत यह थी कि घटना के बाद डिग्गी में उतरने के लिए वहां कोई सुरक्षा उपकरण नजर नहीं आया। सूचना पाकर नगर परिषद एक्सईएन सुभाष बंसल, पार्षद सुमित रिणवां आदि मौके पर पहुंचे और परिषद की जेटिंग मशीनें और सुपर शकर मशीन मौके पर बुलाकर गंदे पानी की डिग्गी को खाली करवाया। रेस्क्यू टीम के आने से पहले नगरपरिषद के अनुबंधित चालक मलकीत सिंह ने हिम्मत दिखाते हुए डिग्गी में सीढ़ी के पास फंसे सफाई कर्मी करणसिंह को रस्सी के सहारे बाहर निकाला लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

मृतक करण सिंह अपने माता-पिता का इकलौता पुत्र था। पेशे से ठेकेदार सुखदेव सिंह के एक पुत्र व एक पुत्री है। पुत्री की शादी हो चुकी है। करणसिंह का रिश्ता हाल ही में तय हुआ था और दो महीने बाद उसकी शादी होनी थी। एक-दो दिन में ही शादी की तारीख तय की जानी थी। घर में खुशियों का माहौल मातम में बदल गया। घटना के बाद फफकते हुए मृतक के पिता सुखदेव सिंह उर्फ विक्की ने बताया कि उसका पुत्र करण कई बार ड्यूटी के लिए लेट हो जाता था तो मैं डांटते हुए कहता कि समय से ड्यूटी पर जाया कर। इसका असर भी हुआ और सोमवार सुबह वह जल्दी उठा और जाते समय बोला कि देखो पापा आज 5 मिनट पहले जा रहा हूं, क्या पता था कि 5 मिनट की यही जल्दी उसे मुझसे हमेशा के लिए दूर कर देगी।

भगवान जगन्नाथ स्वामी पन्द्रह दिन के लिये विश्राम पर गए

उदयपुर में भगवान जगन्नाथ स्वामी महास्नान कर 15 दिन के लिये बीमार होकर विश्राम में चले गये।

उदयपुर, (निस)। भगवान जगन्नाथ स्वामी महास्नान कर 15 दिन के लिये बीमार होकर विश्राम पर चले गये। महास्नान के अवसर पर भगवान जगन्नाथ स्वामी, बलभद्र और सुभद्रा जी को गंगाजल, इत्र, तुलसी, नारियल पानी और केसर से 108 घड़ों से स्नान कराया गया। भगवान 15 दिन के लिये औषधियुक्त काढ़े का सेवन करेंगे। समिति के संरक्षक डॉ. प्रदीप कुमावत ने बताया कि ये वेद के रूप है। जगन्नाथ-सामवेद, सुभ्रदा-युर्जेवेद, बलभद्र-ऋगवेद, सुदर्शन - अथर्ववेद के रूप है। वैदिक संस्कृति के अनुरूप स्नान कराते है। वेदों का पूरा सार इसमें समाहित है।

डॉ. कुमावत ने कहा कि वर्ष में 15 दिन हम अपने आन्तरिक रूपान्तरण के साथ-साथ शारीरिक रूपान्तरण के लिये भी हम अपने व्रत, उपवास और ध्यान के माध्यम से अपने शरीर को स्वस्थ रख सकते है। यह संदेश भगवान जगन्नाथ आमजन को देते है। भगवान 15 दिन तक दर्शन नहीं देंगे। मंदिर से हटकर जो जगह है उसको अंसारा बोलते है वहाँ भगवान को स्थापित कर काढ़े का भोग लगाया जायेगा। पन्द्रह दिन बाद स्वस्थ होकर भगवान स्वयं भक्तों से मिलने नगर भ्रमण पर निकलेंगे। इस बारे उपनगरीय क्षेत्र में भक्तों को दर्शन देने निकलेंगे। अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह भाटी ने बताया कि भगवान को झूला झुलाते हुये मंदिर से बाहर लाया गया। सुदर्शनजी को 18 घड़ों, सुभद्रा जी को 22 घड़ों, बलराम जी को 33 घड़ों, व जगन्नाथ जी को 35 घड़ों से स्नान कराया गया। इस अवसर पर दिनेश मकवाना, रमेश लालवानी, हेमंत चौहान, कैलाश, कमलेन्द्र सिंह, शिव सिंह, धर्मेन्द्र, गिरिश, गोपाल सोनी आदि मौजूद रहे।

अभ्यर्थी करा सकेंगे प्राप्तांकों की री-टोटलिंग

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग ने विधि रचनाकार प्रतियोगी परीक्षा, 2021 के अभ्यर्थियों को प्राप्तांकों की पुन: गणना कराने का अवसर दिया है। इसके लिए अभ्यर्थी 15 से 24 जून 2022 रात्रि 12 बजे तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। संयुक्त सचिव आशुतोष गुप्ता ने बताया कि विधि रचनाकार प्रतियोगी परीक्षा, 2021 के साक्षात्कार आयोजित कर 20 अप्रेल 2022 को परिणाम जारी किया गया था।

- ऑनलाइन की करना होगा आवेदन, प्रश्नों की संख्या अनुसार ऑनलाइन ही करना होगा भुगतान

नियमानुसार परीक्षा में प्राप्तांकों की पुन: गणना कराए जाने का अवसर अभ्यर्थियों को दिया जा रहा है। उत्तर पुस्तिकाओं में प्राप्त अंको की पुन: गणना के लिए आयोग की वेबसाइट पर एग्जाम डैशबोर्ड में उपलब्ध लिंक के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन किया जा सकेगा। प्राप्तांकों की पुन: गणना के लिए प्रति प्रश्न 25 रूपए की दर से शुल्क का ऑनलाइन ही भुगतान करना होगा। ऑफलाइन रूप से प्रस्तुत प्रार्थना-पत्र एवं शुल्क स्वीकार्य नहीं होगा। उत्तर पुस्तिकाओं का पुन: परीक्षण किसी भी परिस्थिति में नहीं किया जाएगा।

हिण्डौन में आधा दर्जन वार्डों के सैंकड़ों लोग पानी के लिए टंकी पर चढ़े

छह वर्ष पूर्व बनी टंकी पाइप लाइन से नहीं जोड़ने के कारण पड़ी है नकारा

हिण्डौन सिटी, (कासं)। गत छह वर्ष पूर्व बनी पानी की टंकी से पेयजल आपूर्ति शुरू नही होने पर नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड संख्या 1 से 6 तक के आधा दर्जन वार्डों के सैकड़ों महिला-पुरुष और बच्चे मंगलवार को पानी की टंकी पर चढ़ गये और घंटों तक प्रशासन व नगर परिषद के खिलाफ नारेबाजी कर प्रदर्शन किया।

नगर परिषद के वार्ड संख्या 1 के पार्षद हरभान सिंह व बार्ड संख्या 2 के पार्षद राजेंद्र शर्मा के नेतृत्व में 1 से लेकर 6 तक के आधा दर्जन वार्डों के सैकड़ों महिला और पुरुष मंगलवार को पानी की समस्या को लेकर वार्ड नंबर 3 में स्थित पानी की टंकी पर चढ़ गए। इस दौरान पार्षद राजेंद्र शर्मा हरभान सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि नगर परिषद के वार्ड संख्या 1 से 6 तक के सभी वार्डों में सालों से पीने के पानी की समस्या चली आ रही है और लोग उपखंड प्रशासन और नगर परिषद प्रशासन से इस पेयजल संकट को दूर करने की मांग करते हुए आ रहे हैं।

जिसके बाद वर्ष 2016 में आधा दर्जन बार्डों की पेयजल आपूर्ति के लिए उच्च जलाशय का निर्माण भी कर दिया गया। जिसके बाद लोगों ने उम्मीद जताई कि अब हजारों परिवारों को पीने के लिए पानी नसीब हो जाएगा लेकिन टंकी बनने के 6 वर्ष बाद भी जलदाय विभाग की अधिकारियों की लापरवाही प्रशासन के अधिकारियों नगर परिषद की उदासीनता के चलते इस जलाशय को अब तक पाइप लाइन से नहीं जोड़ा गया है। इससे यह टंकी 6 वर्ष बाद भी नकारा पड़ी हुई है। इस भीषण गर्मी में लोगों को पानी की जरूरत बढ़ रही है। लोग पीने के पानी के लिए भटक रहे हैं। बताया जा रहा है कि लोग कई किलोमीटर दूर से पानी लाने को मजबूर हो रहे हैं या निजी टैंकरों से पानी ले रहे हैं।

पानी की मांग को लेकर वार्डवासियों ने टंकी पर चढ़कर विरोध-प्रदर्शन किया।